पेट में दर्द

	निदान	कैसा दर्द			कहाँ		दूसरे लक्षण			
	सामान्य बीमारी-स्वयं ईलाज पर मध्यम बीमारी-स्वयं ईलाजके लिये गंभीर बीमारी-डॉक्टरके पास भेजे	जलन	जकड़न	हल्का दर्द	किसी किसी जगह	सब जगह	बुखार	पतली टट्टी	उल्टी	खास लक्षण ह - हमेशा अ – अक्सर क - कभी कभी और दे - देर से दिखाई देंगे।
1	बदहज़मी या गैसें	क	अ	क	2,5			अ	अ	गंदी डकारें, गैस, मतली; खाने के बारे में पूछें
2	अत्यम्लता या आमाश्य में अल्सर	अ	क	क	2,5				क	खाना खाने से दर्द : कौन सा और कब
3	लिवर या पित्ताश्य की बीमारी	अ	क	क	1,2	अ		क		आँखों में पीलापन, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मतली, खुजली, बहरे रंग का पीला पेशाब, बोतल में लेकर हिलाने से पेशाब में पीले रंग का छाग
4	कीड़ों की छूत		अ	क	5,9	क	क	क		छोटे या बड़े कीड़े टट्टी के साथ निकलते हैं
5	आंतों में अवरोध		ह		5	ह,दे			ह	पेट का फूलना और उल्टियाँ, आंतों में से आवाज़ - पहले बढ़ती है फिर धीरे धीरे कम हो जाती है और फिर रुक जाती है। दर्द बढ़ता रहता है।
6	अमीबा या बैक्टीरिया से हुई पेचिश		अ	ब	4,5, 6,9	क	क		क	टट्टी में खून या / और श्लेष्मा और मुलायम टट्टी। बार बार टट्टी
7	डण्डुकपुच्छ शोथ (अपेंडिसाईटिस)		अ	क	7,5	क	अ		अ	पेट के निचले दांये भाग में छुने पर दर्द - क्षेत्र 5 और 7 में
8	हर्निया		क	अ	8				क	सूजन या छुने पर दर्द हो तो ध्यान दें। इस स्थिति में ये काफी गंभीर होती हैं।
9	बृहदान्त्र शोथ	अ	क	क	4,6, 9		क	अ		टट्टी में खून या / और श्लेष्मा, रोग गंभीर भी हो सकता है और चिरकारी भी। कभी कभी कीड़ों से भी होता है
10	गुर्दों या पेशाब के रास्ते की छूत	क	अ	क	4,5, 6,8	क	अ		क	पेशाब की पथरी से कभी कभी ज़ोर का व तेज़ दर्द होता है, छूत से जलन वाला दर्द होता है और पेशाब गंदला आता है।
11	पेशाब की पथरी		ह	क	4,5, 6,8				क	पथरी की पास की जगह पर दर्द, अचानक तेज़ी से होने वाला दर्द
12	माहवारी में दर्द		अ	क	8			क	क	माहवारी से जुड़े दर्द, महावारी के पहले, के समय या बाद में
13	महिला जनन रास्ते की छूत		क	अ	7,8, 9		क		क	मैथुन के समय टैंडरनैस या दर्द,पीठ में दर्द या सफेद पानी
14	तिल्ली में वृद्धि			ह	3		अ			मलरिया इसका आम कारण है, कैंसर और दिल की बीमारियाँ अन्य कारण हैं
15	मोतीझरा		क	अ	5	क	ह	क		ज़ोर का बुखार,थकान औरपेट में टैंडरनैस, नाड़ी की गति अपेक्षा से धीमी

16	पर्युदर्या शोथ		अ			ह	ह		ह	पेट की पेशियाँ लकड़ी जैसी सख्त हो जाती हैं। ये बहुत यहाँ दबाने से दर्द होता हैं। रोगी हिलने डुलने से कतराने लगता है। समय के साथ तकलीफ बढ़ती जाती है